वार्षिक प्रतिवेदन

2006-2007

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
(पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त परिषद्)
देहरादून (उत्तराखण्ड)

संरक्षक :
श्री जगदीश किशवान, भा.व.से.
महानिदेशक,
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
देहरादून

प्रकाशित :
मीडिया एवं प्रकाशन प्रभाग
विस्तार निदेशालय
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
डाकघर– न्यू फॉरेस्ट, देहरादून – 248006 (उत्तराखण्ड), भारत

संकलन एवं सम्पादन :
डॉ० रवीन्द्र कुमार, भा.व.से., उप महानिदेशक (विस्तार), भा.वा.अ.शि.प.
श्री एच.एस. सोहल, भा.व.से., सहा. महानिदेशक (मीडिया एवं प्रकाशन), भा.वा.अ.शि.प.
श्री अनुराग भारद्वाज, भा.व.से., उप वन संरक्षक (मीडिया एवं प्रकाशन), भा.वा.अ.शि.प.
श्री रमाकान्त मिश्र, अनु. अधिकारी, (मीडिया एवं प्रकाशन), भा.वा.अ.शि.प.

मार्च 2007

मुद्रक : इंडिया ऑफसेट प्रैस,
ए–1, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया
फेस–1, नई दिल्ली
दूरभाष : 011–28116494, 28115486

आवरण पृष्ठ : सागौन रोपण, देवनहल्ली, बंगलौर
पृष्ठ आवरण : कैज्वारिना खाड़ी (उत्तरी अण्डमान) में तट के साथ–साथ कैज्वारिना रोपण

प्राक्कथन

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देश में वानिकी संसाधनों के सतत् प्रबंध एवं विकास के लिए वानिकी अनुसंधान शिक्षा और विस्तार के वास्तविक विकास पर केन्द्रित कार्यक्रमों का कार्यान्वयन कर रही है। वर्ष 2006–2007 विशेषकर महत्वपूर्ण वर्ष रहा क्योंकि परिषद् ने अप्रैल 2006 के दौरान इक्कीसवीं एशिया प्रशान्त वानिकी आयोग की बैठक का आयोजन किया और अपने कार्मिकों को अन्तर्राष्ट्रीय वानिकी संगठनों के साथ नेटवर्किंग का सुअवसर उपलब्ध कराया।

मुझे हमारे वानिकी क्षेत्र से सम्बन्धित संगठनों, सहयोगियों, पणधारियों और अन्य सभी लोगों के साथ इस वार्षिक प्रतिवेदन को बांटने में अत्यधिक खुशी है। गत वर्ष अनेक नवीन गतिविधियों के कारण अत्यंत अपेक्षा और सक्रियता भरा रहा। परिषद् ''जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र रूपरेखा समझौते (यू एन एफ सी सी)'' के प्रेक्षक के रूप में जलवायु परिवर्तन के विचार विमर्श में सक्रियता से शामिल रही है। इसने कॉन्फ्रेन्स ऑफ पार्टीज (सी ओ पी) एवं सहायक संस्थाओं के सम्मेलनों में भाग लिया। परिषद् ने वन आक्रामक प्रजातियों पर साझेदारों के साथ नेटवर्किंग के लिए एक मंच की स्थापना भी की है। परिषद् ने अपने नियमित योजना कार्यक्रम के अनुसरण में विभिन्न लक्ष्य समूहों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए परियोजनाएं स्वीकृत की है। परिषद् द्वारा वन संवर्धन, कृषि वानिकी, जैव प्रौद्योगिकी, वृक्ष सुधार, काष्ठ प्रौद्योगिकी, वन उपज तथा पर्यावरणीय प्रबंध पद्धतियों के क्षेत्र में विकसित प्रौद्योगिकियों एवं प्रोटोकाल को दीर्घ एवं अल्पकालीन पाठ्यक्रमों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षणों, डिप्लोमा एवं जागरूकता कार्यक्रमों के द्वारा नियमित अन्तराल पर विभिन्न उपभोक्ता एजेन्सियों तक पहुंचाया गया है।

अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दाता एजेन्सियां स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर वानिकी अनुसंधान आवश्यकताओं के निधीयन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। परिषद् विभिन्न संस्थाओं यथा जल विद्युत फर्मों, खनन कम्पनियों, जलापूर्ति कम्पनियों, नगर पालिकाओं को सवृक्ष मार्गों के वृक्षों का रखरखाव तथा वृक्ष कुंजों एवं सवृक्ष मार्गों के विकास आदि के परामर्श के रूप में विशेषज्ञता उपलब्ध कराती है। कुछ विशिष्ट परामर्शों में शामिल हैं – राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड द्वारा निधीयित परियोजनाओं का मूल्यांकन, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन और राष्ट्रीय जल विद्युत शक्ति निगम की जलशक्ति परियोजनाओं हेतु प्रबंध योजना तैयार करना और राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम के लिए सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण तथा पुनर्वास एवं सुधार कार्यक्रम का निर्माण।

परिषद् ने निर्वनीकरण से उत्सर्जन घटाने पर वन जलवायु वार्ता में प्रमुख भूमिका अदा की है और वन संरक्षण के पक्ष में उचित, वैज्ञानिक और न्यायसंगत तर्क के साथ अंतर्राष्ट्रीय समझौता वार्ताओं को प्रभावित किया है।

वानिकी शिक्षा प्रदान करने वाले विभिन्न विश्वविद्यालयों को, उनकी अवसंरचना को सशक्त बनाने और शिक्षण एवं अनुसंधान क्षमताओं को आगे बढ़ाने के दृष्टिकोण के साथ, वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर देश भर में वानिकी शिक्षा को प्रोत्साहित किया गया है। व.अ.स. विश्वविद्यालय की वानिकी शिक्षा की गुणवत्ता और वानिकी विद्यार्थियों के नियोजन पर अत्यधिक ध्यान दिया गया है।

यह प्रतिवेदन परिषद् की गतिविधियों के संदर्भ में अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार की पूरी जानकारी उपलब्ध कराती है। मुझे वर्ष 2006–2007 के लिए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए अत्यन्त खुशी हो रही है।

(जगदीश किशवान)
महानिदेशक
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
देहरादून – 248 006

दिनांक : 27–08–2007

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् की संगठनात्मक संरचना